द आईसीएफएआई विश्वविद्यालय कुम्हारी का वार्षिकोत्सव आई-फेस्ट 2025 संपन्न

कुम्हारी, 11 फरवरी (हईये चैनल)। द आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय कुम्हारी, रायपुर का वार्षिकोत्सव शनिवार को विश्वविद्यालय प्रांगण में आयोजित किया गया । इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. गिरीश चंदेल कुलपति इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर साथ ही विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सत्य प्रकाश दुबे एंव कुलसचिव डॉ. मनीष उपाध्याय उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आरंम्भ मुख्य अतिथि एवं मंचस्थ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कुलपति डॉ. सत्य प्रकाश दुबे ने इस आयोजन में वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिसमें उन्होने विश्वविद्यालय के वर्ष भर की समस्त गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विविध गतिविधियां जिसमें शैक्षणिक, खेल, साहित्यिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी संबंधी सभी उपलब्धियां शामिल रही।

मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि- आज के इस समय में शिक्षा प्राप्त करने के कई आयाम है। किंतु विश्वविद्यालय में जो व्यावहारिक और सैद्धांतिक शिक्षा दी जाती है वह कहीं अन्यत्र प्राप्त नहीं हो सकती उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि आज का समय सृजनशीलता को बढ़ाने वाला है इस लिए प्रत्येक विद्यार्थियों को अपने अंदर छिपी प्रतिभाओं को बाहर लाने के लिए ऐसे आयोजन एक मंच प्रदान करते हैं इसी लिए सभी को इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के सांस्कृतिक प्रतिभा की भूरी भूरी प्रशंसा की और उन्हें भविष्य के लिए बधाईयां दी उन्होंने आगे कहा कि आप अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करें और उसे पूरा करने के लिए पूरी तरह जूट जाएं जिससे निश्चित ही आपको सफलता मिलेगी। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जिसमे पीयूष अनुराग ने कत्थक नृत्य, ऐश्वर्या एंड ग्रुप ने छत्तीसगढ़ी नृत्य, छत्रोंओ ने घूमर एकल गीत, तथा सामूहिक गीत, बैंड और विभिन्न प्रांतो की वेशभूषा में रैंप वॉक किया। इस पूरे आयोजन में विश्वविद्यालय के सभी अध्यापक-विद्यार्थीगण एवं भूतपूर्व विद्यार्थीयों ने अपनी प्रतिभागिता दी मुख्य अतिथि के द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया जिसमें आउटपुट रीच कार्यक्रम रिजर्व बैंक आफ इंडिया में पुरस्कृत एवं प्रवीणता प्राप्त विद्यार्थियों को मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किया साथ ही वर्ष भर की सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के लिए एवं आई-स्पर्धा 2025 में विभिन्न खेलों में प्रथम आए विद्यार्थियों को ट्रॉफी प्रदान की गई इस आयोजन में विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण, विद्यार्थीगण, कर्मचारीगण प्रेस मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रिंट मीडिया के पत्रकार एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण संपन्न हुआ।

CMYK

द आईसीएफएआई विवि कुम्हारी का वार्षिकोत्सव 'आई-फेस्ट 2025' का हुआ आयोजन

समवेत शिखर न्यूज

कुम्हारी। द आई.सी.एफए.आई. विश्वविद्यालय कुम्हारी, रायपुर का वार्षिकोत्सव शनिवार को विश्वविद्यालय प्रांगण में आयोजित किया गया । इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. गिरीश चंदेल कुलपति इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर साथ ही विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सत्य प्रकाश दुबे एंव कुलसचिव डॉ. मनीष उपाध्याय उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का आरंम्भ मुख्य अतिथि एवं मंचस्थ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। कुलपति डॉ. सत्य प्रकाश दुबे ने इस आयोजन में वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिसमें उन्होने विश्वविद्यालय के वर्ष भर की समस्त गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विविध गतिविधियां जिसमें शैक्षणिक, खेल, साहित्यिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी संबंधी सभी उपलब्धियां शामिल रही।

मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि- आज के इस समय में शिक्षा प्राप्त करने के कई आयाम है। किंतु विश्वविद्यालय में जो व्यावहारिक और सैद्धातिक शिक्षा दी जाती है वह कहीं अन्यत्र प्राप्त नहीं हो सकती उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि आज का समय सृजनशीलता को बढ़ाने वाला है इस लिए प्रत्येक विद्यार्थियों को अपने अंदर छिपी प्रतिभाओं को बाहर लाने के लिए ऐसे आयोजन एक मंच प्रदान करते हैं इसी लिए सभी को इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए।

उन्होंने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के सांस्कृतिक प्रतिभा की भूरी भूरी प्रशंसा की और उन्हें भविष्य के लिए बधाईयां दी उन्होंने आगे कहा कि आप अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करें और उसे पूरा करने के लिए पूरी तरह जूट जाएं जिससे निश्चित ही आपको सफलता मिलेगी। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जिसमे पीयूष अनुराग ने कत्थक नृत्य, ऐश्वर्या एंड ग्रुप ने छत्तीसगढ़ी नृत्य, छत्रोंओ ने घूमर एकल गीत, तथा सामूहिक गीत, बैंड और विभिन्न प्रांतो की वेशभूषा में रैंप वॉक किया। इस पूरे आयोजन में विश्वविद्यालय के सभी अध्यापक-विद्यार्थीगण एवं भूतपूर्व विद्यार्थीयों ने अपनी प्रतिभागिता दी मुख्य अतिथि के द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया जिसमें आउटपुट रीच कार्यक्रम रिजर्व बैंक आफ इंडिया में पुरस्कृत एवं प्रवीणता प्राप्त विद्यार्थियों को मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किया साथ ही वर्ष भर की सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के लिए एवं आई-स्पर्धा 2025 में विभिन्न खेलों में प्रथम आए विद्यार्थियों को ट्रॉफी प्रदान की गई इस आयोजन में विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण, विद्यार्थीगण, कर्मचारीगण प्रेस मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रिंट मीडिया के पत्रकार एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण संपन्न हुआ।

द आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय , कुम्हारी का वार्षिकोत्सव आई-फेस्ट 2025 संम्पन्न

वार्षिकोत्सव विश्वविद्यालय प्रांगण में आयोजित किया गया

कुम्हारी।(कुबेर भूमि)। द आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय कुम्हारी , रायपुर का वार्षिकोत्सव शनिवार को विश्वविद्यालय प्रांगण में आयोजित किया गया । इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. गिरीश चंदेल कुलपति इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर साथ ही विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सत्य प्रकाश दुबे एंव कुलसचिव डॉ. मनीष उपाध्याय उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आरंम्भ मुख्य अतिथि एवं मंचस्थ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। कुलपति डॉ. सत्य प्रकाश दुबे ने इस आयोजन में वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिसमें उन्होने विश्वविद्यालय के वर्ष भर की समस्त गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विविध गतिविधियां जिसमें शैक्षणिक, खेल, साहित्यिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी संबंधी सभी उपलब्धियां शामिल रही। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि- आज के इस समय में शिक्षा प्राप्त करने के कई आयाम है। किंतु विश्वविद्यालय में जो व्यावहारिक और सैद्धांतिक शिक्षा दी जाती है वह कहीं अन्यत्र प्राप्त नहीं हो सकती उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि आज का समय सृजनशीलता को बढ़ाने वाला है इस लिए प्रत्येक विद्यार्थियों को अपने अंदर छिपी प्रतिभाओं को बाहर लाने के लिए ऐसे आयोजन एक मंच प्रदान करते हैं इसी लिए सभी को इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए ।ज उन्होंने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के सांस्कृतिक प्रतिभा की भूरी भूरी प्रशंसा की और उन्हें भविष्य के लिए बधाईयां दी उन्होंने आगे कहा कि आप अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करें और उसे पूरा करने के लिए पूरी तरह जूट जाएं जिससे निश्चित ही आपको सफलता मिलेगी। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जिसमे पीयूष अनुराग ने कत्थक नृत्य, ऐश्वर्या एंड ग्रुप ने छत्तीसगढ़ी नृत्य, छात्रोंओ ने घूमर एकल गीत, तथा सामूहिक गीत, बैंड और विभिन्न प्रांतो की वेशभूषा में रैंप वॉक किया। इस पूरे आयोजन में विश्वविद्यालय के सभी अध्यापक-विद्यार्थीगण एवं भूतपूर्व विद्यार्थीयों ने अपनी प्रतिभागिता दी मुख्य अतिथि के द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया जिसमें आउटपुट रीच कार्यक्रम रिजर्व बैंक आफ इंडिया में पुरस्कृत एवं प्रवीणता प्राप्त विद्यार्थियों को मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किया साथ ही वर्ष भर की सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के लिए एवं आई-स्पर्धा 2025 में विभिन्न खेलों में प्रथम आए विद्यार्थियों को ट्रॉफी प्रदान की गई इस आयोजन में विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण, विद्यार्थीगण, कर्मचारीगण प्रेस मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रिंट मीडिया के पत्रकार एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण संपन्न हुआ।

द आईसीएफएआई विश्वविद्यालय कुम्हारी का वार्षिकोत्सव संम्पन्न

कुम्हारी, 10 फरवरी (देशबन्धु)। द आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय कुम्हारी , रायपुर का वार्षिकोत्सव शनिवार को विश्वविद्यालय प्रांगण में आयोजित किया गया । इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. गिरीश चंदेल कुलपति इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर साथ ही विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सत्य प्रकाश दुबे एंव कुलसचिव डॉ. मनीष उपाध्याय उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आरंम्भ मुख्य अतिथि एवं मंचस्थ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। कुलपति डॉ. सत्य प्रकाश दुबे ने इस आयोजन में वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिसमें उन्होने विश्वविद्यालय के वर्ष भर की समस्त गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विविध गतिविधियां जिसमें शैक्षणिक, खेल, साहित्यिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी संबंधी सभी उपलब्धियां शामिल रही। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि- च्आज के इस समय में शिक्षा प्राप्त करने के कई आयाम है। किंतु विश्वविद्यालय में जो व्यावहारिक और सैद्धांतिक शिक्षा दी जाती है वह कहीं अन्यत्र प्राप्त नहीं हो सकती उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि आज का समय सृजनशीलता को बढ़ाने वाला है इस लिए प्रत्येक विद्यार्थियों को अपने अंदर छिपी प्रतिभाओं को बाहर लाने के लिए ऐसे आयोजन एक मंच प्रदान करते हैं इसी लिए सभी को इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए ।ज उन्होंने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के सांस्कृतिक प्रतिभा की भूरी भूरी प्रशंसा की और उन्हें भविष्य के लिए बधाईयां दी उन्होंने आगे कहा कि आप अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करें और उसे पूरा करने के लिए पूरी तरह जूट जाएं जिससे निश्चित ही आपको सफलता मिलेगी। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जिसमे पीयूष अनुराग ने कत्थक नृत्य, ऐश्वर्या एंड ग्रुप ने छत्तीसगढ़ी नृत्य, छात्रोंओ ने घूमर एकल गीत, तथा सामूहिक गीत, बैंड और विभिन्न प्रांतो की वेशभूषा में रैंप वॉक किया। इस पूरे आयोजन में विश्वविद्यालय के सभी अध्यापक-विद्यार्थीगण एवं भूतपूर्व विद्यार्थीयों ने अपनी प्रतिभागिता दी मुख्य अतिथि के द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया जिसमें आउटपुट रीच कार्यक्रम रिजर्व बैंक आफ इंडिया में पुरस्कृत एवं प्रवीणता प्राप्त विद्यार्थियों को मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किया साथ ही वर्ष भर की सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के लिए एवं आई-स्पर्धा 2025 में विभिन्न खेलों में प्रथम आए विद्यार्थियों को ट्रॉफी प्रदान की गई इस आयोजन में विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण, विद्यार्थीगण, कर्मचारीगण प्रेस मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रिंट मीडिया के पत्रकार एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण संपन्न हुआ।

द आईसीएफएआई विवि में वार्षिकोत्सव सम्पन्न

नवप्रदेश संवाददाता

कुम्हारी। द आई.सी.एफए.आई. विश्वविद्यालय कुम्हारी का वार्षिकोत्सव विवि प्रांगण में आयोजित किया गया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि डॉ. गिरीश चंदेल कुलपति इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर साथ ही विवि कुलपति डॉ. सत्यप्रकाश दुबे एंव कुलसचिव डॉ. मनीष उपाध्याय उपस्थित रहे। कुलपति डॉ. दुबे ने इस आयोजन में वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विविध गतिविधियां जिसमें शैक्षणिक, खेल, साहित्यिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी संबंधी सभी उपलब्धियां शामिल रही। मुख्य अतिथि ने कहा कि आज के इस समय में शिक्षा प्राप्त करने के कई आयाम है। विवि में जो व्यावहारिक और सैद्धांतिक शिक्षा दी जाती है। वह कहीं अन्यत्र प्राप्त नहीं हो सकती। आज का समय सृजनशीलता को बढ़ाने वाला है प्रत्येक विद्यार्थियों को अपने अंदर छिपी प्रतिभाओं को बाहर लाने के लिए ऐसे आयोजन मंच प्रदान करते हैं। विद्यार्थी अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करें और उसे पूरा करने के लिए पूरी तरह जुट जाएं। जिससे निश्चित ही आपको सफलता मिलेगी।